CAZRI News
काजरी समाचार

खण्ड 7 अंक 3, जुलाई - सितम्बर, 2017 Vol. 7 No. 3, July - September, 2017

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री का पद भार ग्रहण किया

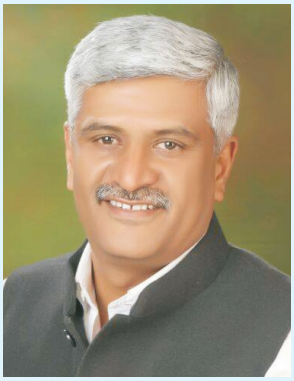

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 4 सितम्बर, 2017 को केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री का महत्वपूर्ण पद भार ग्रहण किया। श्री शेखावत ग्रामीण पृष्ठभूमि से सम्बन्ध रखते हैं और उनकी कृषि क्षेत्र में गहरी रूचि है। यह जोधपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। श्री शेखावत ने जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर से दर्शन शास्त्र में एम.ए. और एम. फिल किया हैं जहां पर 1992 में वे छात्र संघ अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित हुए। श्री शेखावत तकनीक प्रेमी हैं और उन्हें खेलों से भी काफी लगाव है। एक लोकप्रिय प्रश्नोत्तरी ब्लॉगिंग साइट 'कोरा' पर इनके बहुत सारे फोलोअर हैं।

काजरी परिवार को श्री शेखावत के केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में शामिल होने की बहुत प्रसन्नता है और विश्वास है कि उनके सक्षम मार्गदर्शन और नेतृत्व में भारतीय कृषि और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् निरंतर नई ऊंचाइयों को छुऐंगे और 2022 तक किसानों की आय दोहरीकरण के महत्वाकांक्षी सपने को पूरा करने में सक्षम होंगे। काजरी परिवार श्री शेखावत को इस नई जिम्मेदारी पर बधाई देता है और आशा करता है कि शुष्क क्षेत्र के विकास में संस्थान के प्रयासों को उनका पूरा प्रोत्साहन एवं समर्थन मिलता रहेगा।

Shri Gajendra Singh Shekhawat assumes charge of Minister of State in the Union Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare

Shri Gajendra Singh Shekhawat assumed the charge of Minister of State in the Union Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare on September 4, 2017. Shri Shekhawat hails from rural background with keen interest in agriculture and represents Jodhpur parliamentary constituency. Shri Shekhawat has done his M.Phil and M.A. in Philosophy from Jai Narain Vyas University, Jodhpur, where he was elected Student Union President of JNV University in 1992. He is a sports enthusiast, tech-savvy and is widely followed on Quora (a popular Q&A blogging site).

CAZRI family is overjoyed with Shri Shekhawat, joining the Union Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, and is convinced that under his able guidance and leadership Indian agriculture and ICAR will touch greater heights and would be able to achieve the ambitious dream of doubling farmers' income by 2022. We congratulate Shri Shekhawat on this new responsibility to serve the country and hope that he will continue lend his support to CAZRI's endeavour of nurturing arid regions.

निदेशक की कलम से...

शुष्क राजस्थान में सूखा पड़ना आम घटना है। यहाँ विभिन्न भागों में दो से पांच साल में एक बार सूखा पड़ ही जाता है। लेकिन अधिक वर्षा के कारण कभी–कभी अचानक बाढ़ भी आ जाती है जो बुनियादी ढांचों, मकानों, फसलों और पशुओं को भारी नुकसान पहुंचाती है। पहले भी बाढ़ और सूखा आते रहे हैं लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया भर में इस तरह की चरम घटनाओं की आवृत्ति बढ़ने का अनुमान है।

Director's pen...

Droughts are of common occurrence in arid Rajasthan. Droughts of various intensities occur once in two to five years in different parts. But flash floods also occur sometimes and cause heavy damage to infrastructure, houses, crops and livestock. Floods and droughts have occurred in past as well, but the frequency of such extreme events is projected to increase worldwide because of climate change.

जुलाई के दूसरे पखवाड़े में एक के पीछे एक आई दो मौसम प्रणालियों के कारण सिरोही (1468 मि.मी.), जालोर (694 मि.मी.), पाली (514 मि.मी.) और बाड़मेर (322 मि.मी.) जिलों सहित दक्षिण–पश्चिम राजस्थान और उत्तर–पश्चिम गुजरात में भारी वर्षा हुई। इससे सिरोही, जालोर, पाली, बाड़मेर और जैसलमेर जिलों के लगभग 100 गाँवों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। हालांकि बाड़मेर में बारिश कम थी, पर ऊपरी जलाशयों से पानी छोड़े जाने के कारण धोरीमन्ना और गुड़ामालानी ब्लॉक के कई गाँवों में बाढ़ आ गई। इसी तरह, 6 से 10 अगस्त 2016 के दौरान भारी वर्षा से भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, झालावाड़, पाली और बाड़मेर जिलों के कई शहरों और गाँवों ने भारी बाढ़ का सामना किया। जोधपुर (176 मि.मी.), पाली (290 मि.मी.) और जालोर (230 मि.मी.) में 10 अगस्त को भारी वर्षा दर्ज की गई, जबकि राजस्थान के पाली और दक्षिणी जिलों में कई मौसम केंद्रों पर उस दिन 300 मि.मी. से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। 2006 में बाड़मेर जिले के कवास गाँव में बाढ़ ने दुनिया भर के विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया था। यह गाँव कई महीनों तक 10–15 फीट गहरे पानी में डूबा रहा। अनुमान है कि इस भीषण बाढ़ के दौरान, राजस्थान में 20 से 55 अरब घन मीटर अतिरिक्त पानी उपलब्ध होता है, जबकि सामान्य वर्ष में भी 900 से 1450 लाख घन मीटर जल संचयन की संभावना रहती है।

विस्तृत योजना और पर्याप्त धन के साथ वर्षा जल के समुचित प्रबंधन के प्रभावशाली उपाय शुष्क क्षेत्रों को बाढ़ और सूखे से बचाने का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। खेत, जलोत्सारण क्षेत्र (वाटरशेड) और क्षेत्रीय स्तर पर अधिक से अधिक पानी संचित करने और प्राकृतिक जल निकास मार्गों को साफ रख कर अतिरिक्त पानी की सुरक्षित जल निकासी के लिए, भौतिक और कृषि संबंधी प्रबंधन उपाय अपनाए जाने चाहिए। परंपरागत जल संचयन संरचनाओं जैसे नाड़ी, तालाब, टांका, कुंड और खड़ीन का जीर्णोद्धार करके इनको वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधित किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, पश्चिमी राजस्थान में लगभग 550 खड़ीन मौजूद हैं और विभिन्न क्षमताओं की 490 नई खड़ीन के लिए संभावित स्थलों की पहचान की गई है। बांध, टैंक, एनीकट, और अंतःस्रवण टैंक जैसी भौतिक संरचनाओं को उपयुक्त जगहों पर बना कर वर्षा जल संगृहीत किया जा सकता है या उच्च–क्षमता वाले भू–गर्भस्त जलधारकों को फिर से जीवित किया जा सकता है।

ओम प्रकाश यादव

संस्थान शोध कार्यों एवं राजभाषा में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के 89वें स्थापना दिवस के अवसर पर संस्थान को चार पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री राधामोहन सिंह, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार ने प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन एवं कृषि अभियांत्रिकी में उल्लेखनीय शोध कार्य के लिए काजरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. प्रियब्रत सान्तरा को "लाल बहादुर शास्त्री उत्कृष्ट युवा वैज्ञानिक पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। इसमें उन्हें एक लाख रूपये एवं वायु सुरंग प्रणाली तंत्र एवं मॉडलिंग पर शोध कार्य के लिए तीस लाख रूपये की नई परियोजना दी गयी तथा इसके तहत विदेशी विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण के लिए पाँच लाख रूपये स्वीकृत किये गये। वे शुष्क क्षेत्रों में वायु कटाव के नियत्रंण पर शोध कार्य करेंगें।

Two back-to-back weather systems in second fortnight of July this year led to heavy rains in northwest Gujarat and southwest Rajasthan including Sirohi (1468 mm), Jalore (694 mm), Pali (514 mm) and Barmer (322 mm) districts creating flood situation in about 100 villages in Sirohi, Jalore, Pali, Barmer and Jaisalmer districts. Though rainfall in Barmer was less, release of water from upstream reservoirs resulted in floods in several villages of Dhorimanna and Gudamalani blocks. Similarly, heavy rains between 6 to 10 August, 2016 caused severe flooding in several cities and villages of Bhilwara, Chittorgarh, Jhalawar, Pali and Barmer districts. Heavy one day rainfall was recorded on 10 August in Jodhpur (176 mm), Pali (290 mm) and Jalore (230 mm), while several stations in Pali and southern districts of Rajasthan recorded more than 300 mm rainfall on that day. Flood in Kawas village of Barmer district in 2006 attracted attention of experts worldwide. The village remained submerged in 10-15 feet water for several months. It is estimated that during a high magnitude flash flood, 20 to 55 billion cubic meter excess water is available in Rajasthan, while 90 to 145 million cubic meter water can be harvested in a normal year.

Proactive measures for proper management of rainwater, with detailed planning and adequate funding, can pave a way for flood-cum-drought proofing of arid regions. Physical and agronomic management measures at farm, watershed and regional level need to be adopted to conserve or harvest as much water as possible and for clearing of natural watercourses for safe drainage of excess water. Traditional water harvesting structures like *nadi*, *talab*, *tanka*, *kund* and *khadin* should be rejuvenated and managed scientifically. For example, about 550 *khadins* exist in western Rajasthan and 490 potential sites for new *khadins* of different sizes have been identified. Physical structures like embankments, dams, tanks, anicuts and percolation tanks may be built at appropriate sites to harvest rainwater or to rejuvenate depleted high-capacity aquifers.

O.P. Yadav

Institute awarded for outstanding research work and contribution in official language: The Institute bagged 4 awards during 89th Foundation Day of Indian Council of Agricultural Research. Sh. Radha Mohan Singh, Minister of Agriculture and Farmers' Welfare facilitated Dr. Priyabrata Santra, Senior Scientist with '*Lal Bahadur Shastri Award*' for his outstanding research contribution in Natural Resource Management and Agricultural Engineering. He was awarded Rs. 1 lakh, memento and a project worth Rs. 30 lakhs on 'Wind Tunnel System and Modelling aspects', which includes Rs. 5 lakhs for advanced foreign training where he will work on wind erosion control in arid areas.

प्रादेशिक अनुसंधान केन्द्र, पाली के वैज्ञानिक डॉ. दीपक गुप्ता को उत्कृष्ट पीएचडी थीसिस के लिए "जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार" से नवाज़ा गया। डॉ. गुप्ता को पचास हजार रूपये की राशि तथा स्मृति चिन्ह एवं प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। डॉ. गुप्ता ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए गेहूँ और चावल की फसलों में ग्रीन हाउस गैस के न्यूनीकरण पर उल्लखेनीय शोध कार्य किया है।

संस्थान को सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग में उल्लेखनीय योगदान के लिए "राजर्षि टंडन राजभाषा पुरस्कार" (द्वितीय) तथा किसानों के लिए उपयोगी *मरू कृषि चयनिका* पत्रिका प्रकाशन हेतु "गणेश शंकर विद्यार्थी हिन्दी पत्रिका पुरस्कार" प्रदान किया गया।

Dr. Deepak Gupta, Scientist from RRS, Pali was awarded the prestigious '*Jawahar Lal Nehru Award*' for best Ph.D. thesis. He was given fifty thousand rupees, memento and appreciation certificate. Dr. Gupta has worked on 'Green house gas minimization in wheat and rice for climate change mitigation'.

The Institute was awarded "*Rajshri Tandon Award*" (2nd Prize) for excellent work in official language and "*Ganesh Shankar Vidhyarthi Hindi Magazine Award*" for publication of farmers' friendly magazine '*Maru Krishi Chayanika*'.

संस्थान को इस वर्ष दो पेटेंट प्रदान किये गये

- **1381/डीइएल/2008**: तौश (*सिट्रुल्लस कॉलोसिंथिस*) के फल से जैसलमेरी मुरब्बा और कैंडी
- **262/डीइएल/2008**: ग्वार पाठा प्रजातियों से कैंडी के प्रसंस्करण की विधि

Institute granted two patents

- **1381/DEL/2008:** Jaisalmeri preserve and candy from fruit of Toosh (*Citrullus colocynthis*)
- **262/DEL/2008:** Preparation and method of processing of candy from *Aloe* species

शोध गतिविधियाँ

शुष्क क्षेत्रों के लिए मूंग की लघु अवधि किस्म–विराट (आईपीएम 205–7): इस वर्ष खरीफ के दौरान मूँग की एक नई किस्म विराट (आईपीएम 205–7) की शुष्क क्षेत्रों के लिये अनुकूलता जांचने हेतु संस्थान में मूल्यांकन किया गया। इस क्षेत्र के कृषकों की हमेशा से छोटी अवधि की एक ऐसी मूंग किस्म की मांग रही है जो 55–60 दिनों की अवधि में पक जाती हो क्योंकि यहाँ बारिश की अनिश्चितता और वर्षा के बीच में दीर्घ अवधि के शुष्क दौर के कारण अक्सर फसलों के विकास और पैदावार में कमी हो जाती है और कभी–कभी फसल पूरी तरह से विफल हो जाती है ।

विराट (आईपीएम 205–7) किस्म भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर द्वारा विकसित की गई है जिसे इस वर्ष व्यवसायिक खेती के लिए जारी किया गया है। इस किस्म के पौधे छोटे और सीधे खड़े रहने वाले प्रकार के हैं। इस किस्म की उत्पादन क्षमता 10–12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है, और यह पीतमोजेक रोग के प्रति अत्यधिक प्रतिरोधी है।

संस्थान प्रक्षेत्र में इस किस्म की फसल 60 दिनों में पक कर तैयार हुई और इसमें 275 मि.मी. वर्षा और मध्य में 23 दिनों की शुष्क अवधि की स्थिति में भी 8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त हुई। भा.कृ.अनु.प. के माननीय महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने इस नई किस्म के बीज उत्पादन के संस्थान के प्रयासों की सराहना की। आई.आई.पी.आर.,

Research Activities

Short duration variety of mungbean 'Virat (IPM 205-7)' for arid zone: During this *kharif* season a new variety of mungbean 'Virat (IPM 205-7)', was evaluated at the Institute for ascertaining its adaptability to arid region. The farmers of this region have been demanding a short duration variety of mungbean, which could mature in 55-60 days duration, as uncertainty of rains and long dry spells often lead to poor crop growth and low yields and sometimes complete failure of the crop .

Virat (IPM 205-7) has been developed by Indian Institute of Pulses Research, Kanpur, and released this year for commercial cultivation. It has short-statured and erect plants. Its yield potential is 10-12 q ha^{-1}, and it is highly resistant to Mung bean Yellow Mosaic Disease.

This variety yielded 8 q ha^{-1}, and matured in 60 days under 275 mm rainfall and 23 days dry spell conditions at Institute farm. The trials were seen by Dr. Trilochan Mohapatra, Hon'ble Director General, ICAR who appreciated the efforts of Institute in multiplying the seed of this new variety. Dr. N.P. Singh, Director of IIPR, Kanpur during his visit to the

कानपुर के निदेशक डॉ. एन.पी. सिंह ने संस्थान में अपनी यात्रा के दौरान नए किस्म के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया।

एच.आर. महला, आर.के. भट्ट एवं संजीव गुप्ता

institute expressed satisfaction over the performance of new variety.

H.R. Mahla, R.K. Bhatt and Sanjeev Gupta

बैठकें, गतिविधियाँ एवं प्रशिक्षण

सोलर फार्मिंग प्रणाली का उद्घाटन सचिव (कृ.अ.शि.वि.) और महानिदेशक (भा.कृ.अनु.प.) डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने 12 अगस्त को किया। इस प्रणाली की क्षमता 105 किलोवाट है। डॉ. महापात्रा ने जोर दिया कि सोलर फार्मिंग प्रणाली में, सौर पैनलों की स्थापना और उनके बीच की जगह में खेती करना, बिजली और फसल उत्पादन के दो प्रमुख उद्देश्यों की पूर्ति करता है। संस्थान में स्थापित सोलर फार्मिंग प्रणाली की विशिष्टता यह है कि इसमें पानी की कमी की अवधि के दौरान अनुपूरक सिंचाई के लिए सौर पैनलों पर गिरने वाले वर्षा जल का पुनः उपयोग किए जा सकता है। उत्तर–पश्चिम क्षेत्र के शुष्क क्षेत्रों में सोलर फार्मिंग प्रणाली की विशेष प्रासंगिकता है क्योंकि इन क्षेत्रों में शेष देश (5.6 किलोवाट मी.$^{-2}$ दिन$^{-1}$) की तुलना में अधिक विकिरण (6.11 किलोवाट मी.$^{-2}$ दिन$^{-1}$) प्राप्त होते हैं। कृषि आय के अतिरिक्त, एक एकड़ क्षेत्र में सौर पैनलों से बिजली उत्पादन से प्रतिवर्ष 76000 रूपये की आमदानी प्राप्त की जा सकती है। डॉ. जे.एस. सामरा, अध्यक्ष, अनुसंधान सलाहकार समिति ने जोर दिया कि पैनलों के बीच में फसलों के कारण सूक्ष्म जलवायु परिवर्तन को समझने की जरूरत है। डॉ. एस. भास्कर, उप महानिदेशक (एएएफ एंड सीसी) ने सोलर

Meetings, Events and Trainings

Agri-voltaic system of 105 kW inaugurated by Secretary DARE and DG ICAR Dr. Trilochan Mohapatra on August 12 at the Institute. Dr. Mohapatra emphasized that AVS comprising of installing solar panels and undertaking farming at one time on the same land serves two major purposes of electricity generation and crop cultivation. The uniqueness of AV system at the Institute is that it has provision of harvesting rainwater falling on solar panels which can be reused for supplemental irrigation during the period of water shortage. AV system have a special relevance in arid areas of north-western region as they receive higher radiations (6.11 kWh m^{-2} day^{-1}) as compared to the rest of the country (5.6 kWh m^{-2} day^{-1}). The income from selling of PV generated electricity from one acre area would be about Rs. 7,60,000/- per year in addition to income from farming.

Dr. J.S. Samra, Chairman of RAC emphasized that there is need to understand change in micro-climate created by growing of crops between spaces of panels. Dr. Bhaskar, ADG

फार्मिंग प्रणाली में खेतों से मिट्टी की क्षति को कम करने के लिए स्थायी वृक्ष फसलों से मिट्टी संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। इससे पहले संस्थान के निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव ने सोलर फार्मिंग प्रणाली के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी और इस बात पर प्रकाश डाला कि इस क्षेत्र में एक साल में 300 बादल–मुक्त दिन होते हैं, इसलिये यहाँ सौर ऊर्जा के दोहन की विशाल संभावना है।

बीज प्रसंस्करण और भंडारण इकाई की आधारशिला डॉ. त्रिलोचन महापात्रा, सचिव (कृ.अ.शि.वि.) और महानिदेशक (भा.कृ.अनु.प.) द्वारा 12 अगस्त को रखी गई। यह सुविधा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के अंर्तगत भारत में दालों के बढ़ते स्वदेशी उत्पादन के लिए बीज केन्द्र में बनाई जा रही है। इस अवसर पर डॉ. जे.एस. सामरा, अध्यक्ष आर.ए.सी. और डॉ. एस. भास्कर, उप महानिदेशक (एएएफ एंड सीसी) भी उपस्थित थे। डॉ. महापात्रा ने इस बात पर बल दिया कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज प्राथमिकता से उपलब्ध कराया जाना चाहिए क्योंकि यह बेहतर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का सबसे प्रभावी तरीका है।

डॉ. सामरा ने भी किसानों को बेहतर तकनीक का प्रसार करने में संस्थान की भूमिका की सराहना की। डॉ. भास्कर का विचार था कि इस सुविधा से संस्थान की क्षमता में भी वृद्धि होगी। निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव ने बताया कि काजरी बीज का ब्रांड वैल्यू हो गया है और सभी बीज एटिक में एकल खिड़की के माध्यम से बेचा जाता है। डॉ. आर.के. भट्ट (परियोजना के प्रधान अन्वेषक) ने संस्थान द्वारा किए गए बीज उत्पादन कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया।

(AAF & CC) highlighted the importance of soil conservation in AVS with perennial components in order to reduce soil loss from fields. Earlier Dr. O.P. Yadav, Director briefed about the objective of AVS and highlighted that this region provides 300 cloud-free days in a year and thus has a huge potential to harness solar energy.

Foundation Stone of Seed Processing and Storage Unit was laid by Dr. Trilochan Mohapatra, Secretary (DARE) & Director General (ICAR) on August 12. This facility is being created in Seed Hub for increasing indigenous production of pulses in India under National Food Security Mission (NFSM). At this occasion Dr. J.S. Samra, Chairman RAC and Dr. S. Bhaskar, ADG (AAF&CC) were also present. DG emphasized that quality seed should be made available to the farmers on priority as this is the most effective intervention to transfer the improved technology.

Dr. Samra appreciated the role of Institute in disseminating the improved technology to farmers. Dr. Bhaskar emphasized that institute's capacity would be enhanced by having this facility. Dr. O.P. Yadav, Director informed that CAZRI seed is having its brand value and all the seed is sold out through single window system at ATIC. Dr. R.K. Bhatt, Head & PI of the project explained the details about the seed production program carried out by the Institute.

डॉ. त्रिलोचन महापात्रा, महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प का संस्थान दौरा: सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., डॉ. त्रिलोचन महापात्रा, ने संस्थान के प्रक्षेत्र एवं प्रयोगशालाओं का 13 अगस्त को अवलोकन किया। महानिदेशक ने केन्द्रीय पौधशाला, ऑर्गेनो–खनिज उर्वरक प्रयोग, एकीकृत खेती प्रणाली का मॉडल, जैविक खेती, छत के संग्रहित पानी के उपयोग से वर्ष पर्यन्त चारा उत्पादन, थारपारकर

Dr. Trilochan Mohapatra, DG, ICAR visits the Institute: Dr. T. Mohapatra, Secretary, DARE and DG, ICAR alongwith Dr. J.S. Samra, Chairman, RAC and Dr. S. Bhaskar, ADG (AAF&CC) visited organo-mineral fertilizer experiment, models of integrated farming system, organic farming, round-the-year fodder cultivation using water harvested from roof top, dairy unit of Tharparkar cattle, desert botanical garden, arid

गायों की डेयरी इकाई, रेगिस्तान वनस्पति उद्यान, शुष्क बागवानी ब्लॉक एवं ऊतक संवर्धन से उगाये खजूर के पौध उद्यान का अवलोकन किया एवं इनकी प्रशंसा की। उन्होंने मरूस्थल की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और प्राकृतिक संसाधनों में हो रहे परिवर्तनों को ध्यान में रखकर विभिन्न उत्पादन तकनीकियों के विकास के लिये संस्थान के योगदान का सराहना की। इसके उपरांत महानिदेशक ने संस्थान वैज्ञानिकों को सम्बोधित किया और उन्हें शुष्क क्षेत्र पारिस्थितिकी के विभिन्न संदर्भों पर चल रहे शोध में पूरे मनोयोग से कार्य करने एवं उपभोक्ताओं तक तकनीकियों को पहुँचाने के लिए प्रोत्साहित किया।

अनुसंधान सलाहकार समिति (आर.ए.सी.) की बैठक डॉ. जे.एस. सामरा की अध्यक्षता में 1–2 सितंबर के दौरान आयोजित हुई। बैठक में आर.ए.सी. के सदस्य डॉ. डी.के. बेंबी, डॉ. एस. कुमार, डॉ. अरुण वर्मा, डॉ. आई.जे. माथुर, डॉ. एस. भास्कर, डॉ. ओ.पी. यादव, निदेशक एवं डॉ. पी.सी. महाराणा, सदस्य सचिव उपस्थित थे। आर.ए.सी. के अध्यक्ष और सदस्यों ने प्रभागों और क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों के प्रमुखों के साथ संस्थान में वर्ष 2016–17 के शोध कार्यक्रमों पर चर्चा की। आर.ए.सी. टीम ने संस्थान में चल रही शोध गतिविधियों का अवलोकन किया एवं वैज्ञानिकों के कार्यों की सराहना की।

भा.कृ.अनु.प. की छठी क्षेत्रीय समिति की मध्यावधि समीक्षा बैठक, जिसके अंतर्गत राजस्थान, गुजरात, दमन एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली सम्मिलित है, 22 सितम्बर को आयोजित हुई। इसकी अध्यक्षता डॉ. के. अलगूसुन्दरम, उप महानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं कृषि अभियांत्रिकी), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली द्वारा की गई। डॉ. ओ.पी. यादव सदस्य सचिव, क्षेत्रीय समिति, ने पिछली बैठक में उठाये गये मुद्दों पर की गई कार्यवाही की कार्यप्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा, डॉ. जी.एल. केशवा; कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, डॉ. पी.एस. राठौड़ एवं कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, डॉ. बलराज सिंह ने इस बैठक में भाग लिया। राज्य कृषि विश्वविद्यालयों एवं भा.कृ.अनु.प. संस्थानों के प्रतिनिधियों एवं राजस्थान और गुजरात में कृषि की नेटवर्क परियोजनाओं के परियोजना समन्वयकों, और क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों के अध्यक्षों आदि ने इस बैठक में भाग लिया।

horticulture block and tissue-cultured raised datepalm orchard experiments and laboratories and appreciated the contribution of the Institute in upscaling various production technologies in a very challenging ecosystem and in keeping a close watch on the status of changes occurring in natural resources in arid regions. Later Dr. Mohapatra addressed the Institute scientific staff and encouraged them to enhance efforts to intensify on-going research on various issues related to arid zone ecosystem and ensure dissemination of these technologies to stakeholders.

Research Advisory Committee (RAC) met on September 1-2 under the chairmanship of Dr. J.S. Samra. RAC members Dr. D.K. Benbi, Dr. S. Kumar, Dr. Arun Varma, Dr. I. J. Mathur, Dr. S. Bhaskar, Dr. 0.P. Yadav, Director and Dr. P.C. Moharana, Member Secretary were present in the meeting. RAC chairman and members interacted with Heads of Divisions and Regional Research Stations and discussed the Institute's research programs of the year 2016-17. RAC team also visited experiments being conducted in the Institute and appreciated the work done by the scientists.

Midterm review meeting of ICAR Regional Committee No. VI comprising of states of Rajasthan, Gujarat and union territories of Daman & Diu, and Dadra & Nagar Haveli was held at the Institute on September 22. The meeting was chaired by Dr. K. Alagusundaram DDG (NRM and Agril. Engineering) ICAR, New Delhi. Dr. O.P. Yadav, Member Secretary, presented the Action Taken Report. The meeting was attended by Vice Chancellors of SAUs of Rajasthan Dr. P.S. Rathore (SKNAU, Jobner), Dr. G.L. Keshwa (AU, Kota), Dr. Balraj Singh (AU, Jodhpur); and representative from SAU, Gujarat. Directors of ICAR institutes; PCs of AICRP's and Network Projects, and Heads of Regional Research Stations of ICAR institutes in Rajasthan and Gujarat, participated in the meeting.

71वां स्वतंत्रता दिवस संस्थान में उत्साह और गर्व के साथ मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. ओ.पी. यादव, निदेशक ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के पश्चात् निदेशक ने कर्मचारियों को शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने सूचित किया की अपनी हाल की यात्रा के दौरान भा.कृ.अनु.प. के महानिदेशक और अतिरिक्त महानिदेशक ने संस्थान के काम को काफी सराहा और इसके लिये संस्थान के सभी श्रेणी के कर्मचारियों द्वारा दिए गए योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने सबको देश के गौरवशाली अतीत और स्वाधीनता के लिये दिए गए हमारे पूर्वजों के सर्वोच्च बलिदान का स्मरण करवाया एवं देश के विकास के लिए योगदान के लिये अपने कर्तव्य ईमानदारी और गर्व के साथ निभाने का संदेश दिया। इस अवसर पर रोचक रस्साकशी खेल का आयोजन किया गया। निदेशक महोदय ने इसके पश्चात् विभिन्न खेलों के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये।

71st Independence day was celebrated in the Institute with gaiety and fervor. On this occasion Dr. O.P. Yadav Director, hoisted the national tricolour and addressed the staff. Director greeted all the staff members of the Institute. He congratulated the staff and informed them about positive comments by DG and ADG during their recent visit of Institute. He reminded the staff of the nations glorious past and the supreme sacrifices of our ancestors due to which independence was attained and reminded them that all should do their duties with sincerity and pride and contribute to the development of the country. An interesting rope pulling match was also organized on the occasion. Later he awarded winners of various games.

किसान मेला एवं कृषि नवाचार दिवस का उद्घाटन 23 सितम्बर को माननीय केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्यमंत्री, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के कर कमलों द्वारा हुआ। पश्चिमी राजस्थान से 900 महिला कृषकों सहित 3000 से अधिक किसान उत्साह से इस मेले में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री शेखावत ने 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने पर बल दिया और कहा कि काजरी या अन्य संस्थानों द्वारा विकसित नई और अभिनव प्रौद्योगिकियों का उपयोग कृषि उत्पादकता में सुधार करने में एक अहम् भूमिका अदा कर सकता हैं। उन्होंने देश को खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में भा.कृ.अनु.प. के योगदान को और देश की जनसंख्या के लिए खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के लिये टिकाऊ खेती प्रणाली और सूखा सहिष्णु फसलें विकसित करने में संस्थान के योगदान को सराहा।

डॉ. ओ.पी. यादव, निदेशक, ने संस्थान में हो रहे शोध और कृषक समुदाय के लाभ के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन जैसे फसलों की नई किस्में, जल संचयन और इससे चारे का उत्पादन, फसल एवं सौर कृषि, जिसमें एक जगह पर ही बिजली उत्पादन के साथ साथ

Kisan Mela and Agriculture Innovations Day: Honourable Union Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare, Shri G.S. Shekhawat inaugurated Kisan Mela and Agriculture Innovation Day on September 23. More than 3000 farmers including 900 women farmers from Western Rajasthan participated enthusiastically in the event. On this occasion, the Chief Guest Shri Shekhawat, stressed upon doubling of farmers' income by 2022 and emphasized that adopting new and innovative technologies developed by CAZRI and elsewhere would play a catalytic role in improving agricultural productivity. He appreciated the contribution of ICAR in making country self-reliant in food production and of CAZRI in developing sustainable farming systems and drought tolerant crops which have led to providing food security to country's population.

Dr. O.P. Yadav, Director, highlighted the activities undertaken by the Institute and briefed about demonstration of various technologies at Institute farm including new varieties of crops; water harvesting and its recycling for fodder production; solar farming combining crop cultivation and

खेती भी की जाती है, बीज उत्पादन, एकीकृत कृषि प्रणाली तथा डेयरी आदि विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति, डॉ. बलराज सिंह और डॉ. एन.वी. पाटील निदेशक, एन.आर.सी. उष्ट्र बीकानेर, विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने शुष्क क्षेत्रों के चुनौतीपूर्ण वातावरण में बेहतर प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन और विस्तार में संस्थान के उल्लेखनीय प्रयासों की तारीफ की।

डॉ. जी.एल. केशवा कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा, डॉ. पी.एस. राठौड़, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर और डॉ. ए.के. गहलोत, पूर्व कुलपति राजुवास, बीकानेर, डॉ अरुण तोमर, निदेशक, केंद्रीय भेड एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर, डॉ. ए.के. राय, निदेशक, डीआरएमआर, भरतपुर, डॉ. एस.के. सिंह, निदेशक, अटारी, जोधपुर, श्री गौड़, केयर्न ऊर्जा, बाड़मेर और श्री थानवी, महाप्रबंधक, नाबार्ड, ने भी इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

सात किसानों (कप्तान बाबू खान, बाबू लाल सुथार, विजय सिंह, राम चंदर, गोर्धन सिंह, गोविंद राम और माला राम) को बेहतर कृषि प्रौद्योगिकियों के उपयोग और प्रसार में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिये "काजरी किसान मित्र" के रूप मे सम्मानित किया गया। बाजरा, मूंग, मोठ और ग्वार की उत्कृष्ट फसलों के प्रदर्शन के लिये भी आठ किसान सम्मानित किये गए। एक किसान वैज्ञानिक संगोष्ठी का

electricity production from a same piece of land; seed production; integrated farming system and dairying for the benefit of farming community. Dr. Balraj Singh, Vice Chancellor of Agriculture University, Jodhpur and Dr. N.V. Patil, Director, National Research Centre on Camel, were the Special Guests on this occasion and they appreciated the remarkable efforts of the institute in demonstration, transfer and upscaling of improved technologies in a challenging environment of arid areas.

Dr. G.L. Keshwa, Vice Chancellor of Agriculture University, Kota; Dr. P.S. Rathore, Vice Chancellor of Agriculture University, Jobner and Dr. A.K. Gehlot, Former Vice Chancellor of RAJUVAS, Bikaner, Dr. Arun Tomar, Director, CSWRI, Avikanagar; Dr. A.K. Rai, Director, DRMR, Bharatpur, Dr. S.K. Singh, Director, ATARI, Jodhpur; Sh. Gaur, Cairn Energy, Barmer and Sh. Thanvi, General Manager, NABARD, also graced the occasion.

Seven farmers (Captain Babu Khan, Babu Lal Suthar, Vijay Singh, Ram Chander, Gordhan Singh, Govind Ram and Mala Ram) were recognized as "CAZRI Kisan Mitra" in appreciation of their significant contribution in adoption and upscaling of agricultural improved technologies. Farmers producing best crops of pearl millet, mung bean, moth bean and clusterbean were also awarded. A 'Scientist-Kisan Sangoshthi' was

आयोजन किया गया जिसमें विशेषज्ञों द्वारा किसानों की खेती और पशुपालन से जुड़ी समस्याओं का निवारण किया गया और कई नव प्रवर्तनशील किसानों ने भी आय बढ़ाने के लिए आधुनिक कृषि के अपने अनुभवों को साझा किया। साठ से अधिक स्टालों पर शुष्क क्षेत्रों के लिए उपयुक्त कृषि प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया।

केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री की राजस्थान के विभिन्न कुलपतियों और संस्थानों निदेशकों के साथ बैठक: माननीय केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, श्री गजेन्द्रसिंह शेखावत ने राजस्थान के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, विभिन्न संस्थानों के निदेशक और भा.कृ.अनु.प. के शोध संस्थानों के क्षेत्रीय केन्द्रों के अध्यक्षों के साथ 23 सितम्बर को एक बैठक की। अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय कृषि में जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली नई चुनौतियों की चर्चा की और इन से निबटने में राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली की जिम्मेदारी को सबसे अहम् बताया। उन्होंने कृषि क्षेत्र से किसानों की बढ़ती हुई अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अनुसंधान की गति और दायरे में वृद्धि की जरूरत पर जोर दिया। माननीय मंत्रीजी ने कृषि को दीर्घ अवधि के लिये टिकाऊ बनाने हेतु एक विस्तृत रोडमैप की आवश्यकता पर बल दिया।

बाजरा क्षेत्र दिवस: कृषि विज्ञान केन्द्र, काजरी, जोधपुर द्वारा 7 सितम्बर को लूणी पंचायत समिति के गाँव रोहिचा कलां में बाजरे की उन्नत किस्म एम.पी.एम.एच. 17 के प्रथम पंक्ति प्रदर्शन द्वारा किसानों में जागरूकता एवं जानकारी बढ़ाने के लिए क्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया जिसमें लूणी पंचायत समिति के 250 से भी ज्यादा कृषकों एवं कृषक महिलाओं ने बड़े ही उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. पीटर कारबेरी, उप महानिदेशक–अनुसन्धान, इक्रीसेट, हैदराबाद थे।

केयर्न फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन: केयर्न फाउंडेशन एवं संस्थान ने 12 जुलाई को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। केयर्न फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित बाड़मेर की समुदाय विकास परियोजना के लिए संस्थान शुष्क क्षेत्र विशेषज्ञ सलाहकार के रूप में सहयोग करेगा।

organized in which queries of more than 100 farmers were addressed by experts. Several farmers also shared their experiences regarding use of modern agriculture methods to enhance their income. More than sixty exhibitions showcasing agricultural technologies suitable for regions were also arranged.

Union Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare interacts with Vice-Chancellors and Directors from Rajasthan: Honourable Union Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare, Shri G.S. Shekhawat had a meeting with Vice-Chancellors and Directors from Rajasthan, Heads of Regional Stations of ICAR Research Institutes on September 23 at the Institute. He highlighted that new and bigger challenges in Indian agriculture are arising out of climate change and the onus to meet such challenge lies on national agricultural research system, therefore scale and speed of research needs to be increased. He also emphasized that detailed roadmap for making agriculture sustainable on long-term basis is the need of hour.

A field day on pearl millet was organized at Rohicha Kalan village on September 7 by KVK, Jodhpur with the objective of enhancing awareness and knowledge about improved variety of pearl millet M.P.M.H.-17 through frontline demonstrations in village. The program was attended by more than 250 farmers and farm women from Luni Tehsil. Dr. Peter Carberry, DDG-Research (ICRISAT) was the chief guest of the program.

MoU with Cairn Foundation: MoU was signed between Cairn Foundation and ICAR-CAZRI, Jodhpur on July 12 for conducting community development project in Barmer funded by Cairn Foundation wherein Institute would be supporting the project as advisory with expertise in the field of arid zone .

न्यू इंडिया मंथन–संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम का संस्थान परिसर में कृषि विज्ञान केन्द्र, जोधपुर द्वारा दिनांक 21 अगस्त 2017 को माननीय प्रधानमंत्रीजी के नवभारत कार्यक्रम के तहत भव्य आयोजन किया गया। लगभग 600 पुरुष व महिला किसानों एवं संस्थान और राज्य सरकार के विभागों के कर्मचारियों ने 2022 तक नवभारत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नारायण लाल पंचारिया, राज्य सभा सांसद ने संकल्प के माध्यम से, भारत को सुधारने और बदलने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. ओ.पी. यादव, निदेशक ने किसानों से कृषि उत्पादकता बढ़ाने और खेती की लागत को कम करने के लिए वैज्ञानिक विधियों को अपनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर डॉ. एस.के. शर्मा, कृषि विज्ञान केन्द्र, जोधपुर, श्री जय नारायण स्वामी, उप निदेशक, श्री नरेश रमाणी, एजीएम, नाबार्ड, डॉ. डी.एस. राठौड़, उप निदेशक, एवं श्री हरीश मेहरा, आत्मा कार्यक्रम निदेशक ने भी विचार व्यक्त किये। राज्य सरकार के कृषि एवं सम्बन्धित विभागों के प्रतिनिधियों, संस्थान के सभी विभागाध्यक्ष एवं अधिकारी एवं कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उत्पाद, पौधे, कृषि संयन्त्र और अन्य कृषि उत्पादों को विभिन्न कृषि विभागों व गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा प्रदर्शित किया गया।

न्यू इंडिया मंथन–संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम का कृषि विज्ञान केंद्र, कुकमा, भुज द्वारा 28 अगस्त को आयोजित किया गया। आसपास के गाँवों के किसानों, राज्य सरकार के विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, शैक्षणिक संस्थानों, गैर सरकारी संगठनों और अन्य हितधारकों सहित लगभग 400 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। 2017–2022 के दौरान नए भारत के निर्माण के लिए सभी प्रतिभागियों ने प्रतिज्ञा ली। कच्छ–मोरबी से लोकसभा सांसद श्री विनोद भाई चावड़ा इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में कृषकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। डॉ. देवी दयाल, अध्यक्ष, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र काजरी, भुज ने किसानों से आय को दोगुना करने के लिए वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने की अपील की। डॉ. सी.बी. जडेजा, कुलपति, केएसकेवी कच्छ विश्वविद्यालय, श्रीमती कौशल्या बेन माधापरीया, जिला प्रमुख, कच्छ और श्री हरि भाई जटिया, अध्यक्ष, वर्क्स कमेटी, जिला पंचायत और राज्य सरकार के विभिन्न अधिकारियों ने भी इस अवसर पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

New India Manthan - *Sankalp Se Siddhi* Program organized by CAZRI KVK, Jodhpur: *Sankalp Se Siddhi* (Attainment through Resolve) programme was organized at the Krishi Vigyan Kendra of CAZRI Jodhpur on 21 August 2017 in order to take forward the initiative of Hon'ble Prime Minister for a New India Movement during 2017-2022. More than 600 men and women farmers participated in the programme. Farmers, staff of CAZRI and state government departments took the pledge to build a New India by 2022. Member of Parliament (Rajya Sabha), Shri Narayan Lal Panchariya graced the occasion as chief guest and drew the attention of the audience to the urgent need to reform and transform India, through common resolve. Dr. O.P. Yadav, Director of institute, urged the farmers to adopt scientific methods of agriculture to enhance productivity and to reduce cost of cultivation. Dr. S.K. Sharma, Head KVK, Jodhpur, Shri Jai Narayan Swami, Deputy Director, Shri Naresh Ramani, AGM NABARD, Dr. D.S. Rathore, Deputy Director and Shri Harish Mehra, Project Director of ATMA also presented their views on the occasion. On this occasion, an exhibition was also put up by several institutes, agriculture and allied departments and non government organizations.

New India Manthan-*Sankalp Se Siddhi* Program was organised at CAZRI KVK, Kukma, Bhuj (Gujarat) on August 28. About 400 participants including farmers from nearby villages, state line departments, KVK, Academic Institutions, NGOs and other stakeholders participated in this program. A pledge was taken by all the participants for building new India during 2017-2022. Member of Parliament, Kachchh-Morbi, Shri Vinod Bhai Chawda, graced the occasion as Chief Guest. He emphasized the role of farming community for nation building. Dr. Devi Dayal, Head, RRS, CAZRI Bhuj urged the farmers to adopt scientific methods for doubling farmer's income. Dr. C.B. Jadeja, VC, KSKVKU, Smt. Kaushalya Ben Madhapariya, Zila Pramukh and Sh. Hari Bhai Jatia, Chairman, Works Committee, Zila Panchayat and various officers from line departments also presented their views on this occasion.

संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, पाली में 30 अगस्त को किया गया। इस मौके पर पाली विधायक श्री ज्ञानचंद पारख, डॉ. ओ.पी. यादव, निदेशक (काजरी), डॉ. एस.के. सिंह, निदेशक (अटारी, जोधपुर), डॉ. ए.के. शुक्ल, अध्यक्ष (क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, काजरी, पाली), डॉ. धीरज सिंह, कृषि विज्ञान केन्द्र, पाली एवं कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने कृषि में वैज्ञानिक विधियों के प्रयोग को किसानों की आय को दुगना करने में एक प्रमुख तरीका बताया। इसमें पाली जिले के 80 गाँवों के 400 से ज्यादा जागरूक किसानों ने भाग लिया।

हिन्दी सप्ताह का आयोजन 14–22 सितम्बर के दौरान संस्थान में किया गया। मुख्य अतिथि कमला नेहरू महाविद्यालय की निदेशक डॉ. पूनम बावा ने कहा कि हिन्दी स्नेह, एकजुटता एवं राष्ट्र प्रेम को बढ़ावा देने वाली भाषा है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दैनिक भास्कर के संपादक अरविन्द चोटिया ने कहा कि चिकित्सा, अभियांत्रिकी, उच्च शिक्षा में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने की जरूरत है। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं संस्थान निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव ने अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि हिन्दी के प्रयोग के प्रति जागरूकता लाने में मीडिया की अहम भूमिका रही है तथा यूनिकोड के प्रयोग का अच्छा लाभ मिल रहा है जिससे हिन्दी में प्रकाशन बढ़े हैं। इस अवसर पर डॉ. पद्मजा शर्मा, डॉ. सुषमा चौहान एवं डॉ. डी. कुमार ने बहुत ही रोचक कविताऐं प्रस्तुत की जिनको श्रोताओं ने खूब सराहा। इस सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। दिनांक 16 सितम्बर को महिला जागरूकता पर संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें जेएनवीयू की प्रो. निधि सिंघल एवं स्वयंसेविका मधु सदनानी ने महिलाओं से सम्बन्धित कानूनी, सामाजिक, आर्थिक एवं मानवीय पहलुओं पर चर्चा की।

कम वर्षा वाले क्षेत्रों में किसानों की आय दुगनी करने हेतु कार्य योजना पर ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर 5–25 सितम्बर के दौरान आयोजित हुआ। सात राज्यों में स्थित 11 विश्वविद्यालयों एवं भा.कृ.अनु.प. की विभिन्न संस्थाओं के 14 विषयों के 25 वैज्ञानिकों ने इसमें भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. पीटर कारबेरी, उप महानिदेशक– शोध, इक्रीसैट, हैदराबाद के मुख्य आतिथ्य में हुआ। भा.कृ.अनु.प. द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण में किसान की आय दुगनी करने हेतु विभिन्न विकल्प, कृषि अनुसंधान वैज्ञानिकों से इसमें योगदान की अपेक्षा आदि पर व्याख्यान हुए एवं सिस्टम मॉडलिंग आदि पर अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने बाड़मेर जिले के अनार उत्पादक क्षेत्र, कृषि विज्ञान केन्द्र पाली, एम.पी.यू.ए.टी. उदयपुर, आफरी जोधपुर, आधुनिक पशुफार्म, पोलीहाउस एवं स्थानीय उद्यमियों की इकाइयों का भ्रमण भी किया। प्रतिभागियों ने अपने कार्य क्षेत्र में किसानों की आय दुगनी करने हेतु संभावित रणनीतियों पर व्याख्यान भी दिये।

Sankalp se Siddhi program was organised at KVK, CAZRI, Pali on August 30. Member of Legislative Assembly, Pali, Shri Gyan Chand Parakh, graced the occasion as Chief Guest. Dr. O.P. Yadav, Director, CAZRI, Dr. S.K. Singh, Director, ATARI Jodhpur, Dr. A.K. Shukla, Head, CAZRI RRS, Pali, Dr. Dheeraj Singh, KVK, Pali and officers from State Agriculture Department also presented their views. All speakers emphasized the role of new scientific technolgies in doubling farmers income for nation building. About 400 farmers from nearby 80 villages participated in this program.

Hindi week was celebrated at the Institute during September 14-22. The program was inaugurated by Dr. Poonam Bawa, Director, Kamla Nehru College, Jodhpur. She highlighted the importance of Hindi in preserving the unity, culture and patriotism in the nation. Mr. Arvind Chotiya, Editor, Dainik Bhaskar, Jodhpur and guest of honor opined that use of Hindi in medical, engineering and higher education should be increased. Earlier Dr. O.P. Yadav, Director and Chairman of the function welcomed the guests on this occasion. He emphasized the role of media in enhancing awareness about use of Hindi and importance of Unicode for increased publications in Hindi. A *Kavi Sammelan* was also organized on this occasion in which Dr. Padmaja Sharma, Ms. Sushma Chouhan and Dr. D. Kumar fascinated audience with their interesting poems. During the Hindi week, various competitions were organized. Prof. Nidhi Singhal, from JNVU and Ms. Madhu Sadanani, Women activist highlighted social, human and legal aspects related to women in a workshop on September 16.

Summer school on "Developing strategies for doubling farm income in low rainfall areas" was organized in the Institute from September 5-25, 2017. A total of 25 scientists of 14 desciplines from 11 Universities and ICAR Institutes over 7 states attended the school. The Inaugural function was graced by Dr. Peter Carberry, DDG-Research, ICRISAT, Hyderabad. The ICAR sponsored training comprised of lectures on various options for doubling, expectation of NARS from the scientists in doubling the farmers' income, practicals on systems modelling etc. The participants visited pomegranate growing belt in Barmer district, KVK, Pali, MPUAT Udaipur, AFRI, progressive dairy farm, Polyhouses, local entrepreneurs etc. The participants also made individual presentations on probable strategies in doubling farm income in their respective regions.

बालेसर में किसान मित्रों के लिए उन्नत फसल उत्पादन तकनीक का प्रशिक्षण कार्यक्रम: संस्थान एवं राजस्थान सरकार के परियोजना निदेशालय, पश्चिमी राजस्थान में गरीबी उन्मूलन के संयुक्त तत्त्वाधान में 24 से 26 जुलाई के दौरान बालेसर में 40 किसान मित्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। खरीफ फसलों की उन्नत तकनीक एवं उद्यानिकी फसल (बेर, गोन्दा एवं अनार) उत्पादन आदि पर चर्चा की गई। किसानों के कृषि सम्बन्धित समस्याओं के समाधान में सूचना–संचार तकनीक जैसे काजरी एप्प, किसान कॉल सेन्टर, एम–किसान पोर्टल व एटिक की भूमिका को विस्तार से समझाया गया। एम–किसान पोर्टल से पंजीकरण कराने एवं उससे प्राप्त होने वाले सूचनाओं का चित्रण किया गया।

Training on "Improved Crop Production" organized at Balesar, Jodhpur: A three days training on Improved Crop Production was organized at Balesar by CAZRI and MPoWeR during 24 to 26 July, in which 40 Krishi Mitras participated. Improved production practices in kharif crops and arid horticulture (ber, gonda and pomegranate) were discussed. The ICT initiatives to address farmers' queries on real-time basis such as ATIC call center, CAZRI Krishi App, Kisan Call Center and m-Kisan portal were elaborated. Method of registration of farmers in m-kisan portal through KCC or SMS was demonstrated.

जोधपुर व बाड़मेर जिले के कृषि मित्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम: प्रशिक्षकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 23–24 अगस्त को "पश्चिमी राजस्थान में उन्नत तकनीकियों द्वारा आय वृद्धि" तथा 29–30 अगस्त को "शुष्क क्षेत्र में उन्नत तकनीकियों के माध्यम से आजीविका एवं आय सुरक्षा" विषय पर आयोजित किये गये। राजस्थान सरकार के पश्चिमी राजस्थान में एमपावर के अधीन जोधपुर व बाड़मेर जिले से आये 80 कृषि–मित्रों को प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यक्रम एमपॉवर, जोधपुर द्वारा प्रायोजित था।

Training for Krishi Mitras from Jodhpur and Barmer: Two Trainings of Trainers on "Improved technologies for enhancing production and income in Western Rajasthan" and "Livelihood and income security through improved agricultural technologies in arid Rajasthan" were organized from 23 to 24 and 29 to 30 August respectively at the Institute. The trainees were 80 Krishi Mitras (KM) from Jodhpur and Barmer districts working with Directorate of Mitigating Poverty in Western Rajasthan (MPOWER), Government of Rajasthan. The trainings were sponsored by MPOWER.

क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, पाली में कृषि अधिकारियों का प्रशिक्षण: राजस्थान सरकार के कृषि विभाग के सहयोग से 'राष्ट्रीय तिलहन एवं ताड़ तेल मिशन (एनएमओओपी)' के तहत क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, पाली द्वारा संस्थान में दो–दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें कृषि विभाग, पाली के 30 कृषि पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ाने में जैविक कृषि की स्थिति एवं संभावनायें, मृदा उर्वरता एवं पोषक तत्व प्रबंधन, क्षारीय एवं लवणीय मृदाओं का प्रबंधन, तिलहन फसलों में फर्टीगेशन द्वारा पोषक तत्व एवं जल उपयोग दक्षता बढ़ाना, जिप्सम की तिलहन फसलों के उत्पादन में भूमिका, आदि पर व्याख्यान दिये।

Training for Agriculture Supervisors under 'National Mission on Oilseed and Oil Palm (NMOOP)' was organized in collaboration with Department of Agriculture, Government of Rajasthan at RRS, Pali during August 29-30, 2017. The program was attended by 30 Agriculture Supervisors from Department of Agriculture, Pali. During the training scientists of RRS Pali delivered lectures on status and scope of organic farming in oil seed crops, soil fertility and nutrient management, management of saline and sodic soils, enhancing nutrient and water use efficiency in oilseed crops through fertigation, Role of gypsum in oil seed crops etc., for improving and enhancing the production of various oil seed crops of the region.

डॉ. एन.एस. राठौड़, उप महानिदेशक (शिक्षा), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने 24 अगस्त को संस्थान का दौरा किया। डॉ. राठौड़ ने संस्थान में चल रहे शोध कार्यों के विषय में वैज्ञानिकों के साथ चर्चा की। उन्होंने फोटोवोल्टिक प्रणाली, सजीव फसल संग्रहालय, केंद्रीय नर्सरी और छतों से वर्षा जल संग्रहण में गहरी दिलचस्पी दिखाई।

Deputy Director General (Education), ICAR, New Delhi, Dr. N.S. Rathore visited the institute on August 24. He had discussions with scientists and visited experiments being conducted at the Institute and took keen interest in photovoltaic system, crop cafetaria, central nursery and roof water harvesting.

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के अध्यक्ष श्री हर्ष कुमार भांवला ने 14 सितंबर को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने यहाँ हो रहे अनुसंधान कार्यों में गहरी रुचि व्यक्त की और इन कार्यों को ओर बेहतर बनाने की दिशा में बहुमूल्य सुझाव दिये।

Chairman of National Bank for Agriculture and Rural Development Dr. Harsh Kumar Bhanwala visited the Institute on September 14. He expressed keen interest in the research work being conducted and gave valuable suggestions for further improvement in research endeavours.

"स्वच्छ भारत अभियान" के तहत "स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम" में 17 सितम्बर 2017 को *सेवा दिवस* पर सभी कर्मचारियों ने उत्साह और लगन के साथ संस्थान परिसर को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दिया। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, राज्य मंत्री, माननीय श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत भी इस अभियान में शामिल हुए। संस्थान के कर्मचारियों को दिए अपने संबोधन में उन्होंने देश को साफ रखने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए सभी को सहयोग देने का आग्रह किया। इस अवसर पर जैव अपशिष्ट को पुनर्चक्रित करने के लिये संस्थान परिसर में एक इकाई स्थापित की गई। माननीय मंत्रीजी ने पुनर्चक्रण पर बल दिया और कहा कि कृषि गतिविधियों में बड़ी मात्रा में फसल के अवशेष बचते हैं जो मृदा पोषक तत्वों का एक अच्छा स्रोत है। कृषि अपशिष्ट को खेत में

"Swachhta Hi Sewa" Campaign under "Swachh Bharat mission": All the employees participated with enthusiasm in the *Seva diwas* on September 17, 2017 and cleaned up the Institute premises. Minister of State of Agriculture and Farmer's Welfare Sh. Gajendra Singh Shekhawat, Minister of State of Agriculture and Farmer's Welfare also joined institute staff in this mission. Addressing the staff, he urged all to fulfil the dream of Prime Minister by keeping nation clean. On this occasion, a Biomass recycling unit was started by the Hon'ble Minister at Institute campus. He emphasized recycling of agricultural waste for use at the farm itself since the agricultural activities generate large amounts of biomass as crop residues and tree leaves which are a good source of

ही पुनर्चक्रित करके इसकी खाद बनानी चाहिए। 24 सितम्बर को *समग्र सेवा दिवस* के अवसर पर सभी कर्मचारियों ने वंचित क्षेत्र कायलाना में शौचालय सुविधा के निर्माण में योगदान दिया। *सर्वत्र स्वच्छता दिवस* 25 सितंबर को मनाया गया जिसमे कर्मचारियों ने कायलाना क्षेत्र में जाकर सफाई अभियान चलाया।

आगन्तुक

- 12 जुलाईः श्री मनोज अग्रवाल, विभागाध्यक्ष, केयर्न, वेदान्ता भारत, सीएसआर; श्री शाश्वत कुलश्रेष्ठ, डीजीएम, केयर्न, राजस्थान
- 12–13 अगस्तः डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर, भारत सरकार एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली; डॉ. जे.एस. सामरा, अध्यक्ष, अनुसंधान सलाहकार समिति, काजरी, जोधपुर; डॉ. एस. भास्कर, सहायक महानिदेशक (ए.ए.एफ. एवं सी.सी.), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली
- 21 अगस्तः श्री नारायण लाल पंचारिया, राज्यसभा सदस्य, भारत सरकार
- 23 अगस्तः डॉ. बी.के. द्विवेदी, उप निदेशक, एमपावर, जोधपुर
- 24 अगस्तः डॉ. एन.एस. राठौड़, उप महानिदेशक (शिक्षा), भा.कृ. अनु.प., नई दिल्ली
- 25 अगस्तः डॉ. एन.पी. सिंह, निदेशक, भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर; डॉ. संजीव गुप्ता, दलहन परियोजना समन्वयक, कानपुर
- 28 अगस्त कच्छ–मोरबी से लोकसभा सांसद श्री विनोद भाई चावड़ा; डॉ. सी.बी. जडेजा, कुलपति, केएसकेवी कच्छ विश्वविद्यालय; श्रीमती कौशल्या बेन माधापरीया, जिला प्रमुख, कच्छ
- 30 अगस्तः श्री ज्ञानचंद पारख, पाली विधायक; डॉ. एस.के. सिंह, निदेशक, अटारी, जोधपुर
- 1 सितम्बरः डॉ. जे.एस. सामरा, अध्यक्ष, अनुसंधान सलाहकार समिति, काजरी, जोधपुर; डॉ. एस. भास्कर, सहायक महानिदेशक (ए.ए.एफ. एवं सी.सी.), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली
- 6–7 सितम्बरः डॉ. पीटर कारबेरी, उप महानिदेशक (अनुसंधान), ईक्रीसेट, हैदराबाद
- 14 सितम्बरः डॉ. हर्ष कुमार भांवला, अध्यक्ष, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक
- 22–23 सितम्बरः डॉ. पी.एस. राठौड़, कुलपति, एस.के.एन. कृषि विश्वविद्यालय, जॉबनेर; डॉ. जी.एल. केशवा, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा; डॉ बलराज सिंह, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर; डॉ. ए.के. गहलोत, पूर्व कुलपति, राजूवास, बीकानेर; डॉ. एन.वी. पाटिल, निदेशक, एन.आर.सी. उष्ट्र, बीकानेर; डॉ. अरुण कुमार तोमर, निदेशक, सी.एस.डब्ल्यू. आर.आई., अविकानगर; डॉ. गोपाल लाल, निदेशक, एन.आर.सी. बीजीय मसाला, अजमेर; डॉ. ए.के. राय, निदेशक, सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर

nutrients. On September 24 *Samagra Sewa Diwas* was celebrated and Institute employees constructed toilets at Kailana area where these facilities do not exist. On September 25 *Sarvatra Sewa Diwas* was celebrated and employees cleaned up the tourist spot at Kailana.

Visitors

- July 12: Shri Manoj Agarwal, Head, Cairn, India Vedanta, CSR; Shri Shaswat Kulshrestha, DGM, Cairn, Rajasthan
- August 12-13: Dr. Trilochan Mohapatra, Secretary, DARE, Govt. of India and Director General, ICAR, New Delhi; Dr. J.S. Samra, Chiarman ICAR-CAZRI, R.A.C., Jodhpur; Dr. S. Bhaskar, ADG (AAF&CC), ICAR
- August 21: Shri Narayan Lal Panchariya, Member of Parliament (Rajya Sabha)
- August 23: Dr. B.K. Dwivedi, Deputy Director (MPOWER), Jodhpur
- August 24: Dr. N.S. Rathore, Deputy Director General (Education), ICAR, New Delhi
- August 25: Dr. N.P. Singh, Director, IIPR, Kanpur; Dr. Sanjeev Gupta, Project Coordinator, Legume Project, Kanpur
- August 28. Shri Vinod Bhai Chawda Member of Parliament, Kachchh-Morbi; Dr. C.B. Jadeja, VC, KSKV Kachchh University; Smt. Kaushalya Ben Madhapariya, Zila Pramukh Kachchh
- August 30: Shri Gyan Chand Parakh Member of Legislative Assembly, Pali, Dr. S.K. Singh, Director, ATARI Jodhpur
- September 1: Dr. J.S. Samra, Ex-DDG (NRM), ICAR and Chairman, RAC, ICAR-CAZRI, Jodhpur: Dr. S. Bhaskar, ADG (AAF&CC), ICAR
- September 6-7: Dr. Peter Carberry, Deputy Director General (Research), ICRISAT, Hyderabad
- September 14: Dr. Harsh Kumar Bhanwala, Chairman, National Bank of Agriculture and Rural Development
- September 22-23: Dr. P.S. Rathore, Vice Chancellor, Agriculture University, Jobner; Dr. G.L. Keshwa, Vice Chancellor of Agriculture University, Kota; Dr Balraj Singh Vice Chancellor Jodhpur Agriculture University; Dr. A.K. Gehlot, Former Vice Chancellor of RAJUVAS, Bikaner; Dr. Arun Tomar, Director, CSWRI, Avikanagar; Dr. Gopal Lal NRSS, Ajmer; Dr. A.K. Rai, Director, DRMR, Bharatpur

- 23 सितम्बरः श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार; श्री शैला राम सारण, अध्यक्ष, किसान मोर्चा

विदेश यात्रा

- डॉ. अकथ सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, ने 18–22 सितंबर, 2017 के दौरान एल्चे, वेलेंशिया, स्पेन में आयोजित ''अनार एवं अन्य मेडिटरेयिन फलों पर चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी'' में भाग लिया जिसे अंतर्राष्ट्रीय उद्यानिकी विज्ञान संस्था द्वारा आयोजित किया गया।

स्थानान्तरण

- डॉ. राजेश कुमार कांकाणी, प्रधान वैज्ञानिक (आनुवांशिक एवं पादप प्रजनन) ने आ.ए.आर.आई., नई दिल्ली से स्थानांतरित होकर काजरी जोधपुर में 3 जुलाई को कार्यभार संभाला।
- डॉ. वेंकटेशन के., वैज्ञानिक (आर्थिक पादप विज्ञान) का स्थानांतरण 3 जुलाई को काजरी आर.आर.एस., जैसलमेर से सी. आई.ए.आर.आई. पोर्ट ब्लेयर।
- डॉ. अरविन्द जुकान्ती, वरिष्ठ वैज्ञानिक (आनुवांशिक एवं पादप प्रजनन) का स्थानांतरण 5 जुलाई को काजरी, जोधपुर से आई. आई.पी.आर., हैदराबाद।
- डॉ. एम.सी. डागला, वैज्ञानिक (आनुवांशिक एवं पादप प्रजनन) का स्थानांतरण 5 जुलाई को काजरी, जोधपुर से आई.आई.एम.आर., लुधियाना।
- डॉ. शमसुद्दीन एम., वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) का स्थानांतरण 6 जुलाई को काजरी आर.आर.एस., भुज से डी.सी.आर. पूत्तुर।
- डॉ. रंजीत कुमार यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) ने भा.कृ. अनु.प.–डी.जी.आर., जूनागढ़ से स्थानांतरित होकर काजरी जोधपुर में 11 जुलाई को कार्यभार संभाला।
- डॉ. दिलीप कुमार डांगी, वैज्ञानिक (कृषि विस्तार) ने भा.कृ.अनु.प. –आर.सी. एन.ई.एच., उमियाम से स्थानांतरित होकर काजरी जोधपुर में 11 जुलाई को कार्यभार संभाला।
- डॉ. अरूण कुमार मिश्र, प्रधान वैज्ञानिक (पशुधन उत्पादन और प्रबंधन) का स्थानांतरण 19 जुलाई को काजरी, जोधपुर से एन.डी. आर.आई., करनाल।
- डॉ. विकास खंडेलवाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक (पादप प्रजनन) का स्थानांतरण 26 जुलाई को काजरी आर.आर.एस., पाली से ए.आई. सी.आर.पी. (बाजरा), मन्डोर, जोधपुर।
- श्री जी.पी. शर्मा, प्रधान वित्त और लेखा अधिकारी ने भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय, नई दिल्ली से स्थानांतरित होकर काजरी जोधपुर में 9 अगस्त को कार्यभार संभाला।
- सुश्री पूनम, वैज्ञानिक (पादप जैव रसायन विज्ञान) का स्थानांतरण 28 अगस्त को काजरी जोधपुर से सी.आई.पी.एच.ई.टी., लुधियाना।

- September 23: Sh. G.S. Shekhawat, Union Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare, Govt. of India; Shri Shailaram Saran, President Kisan Morcha

Visits Abroad

- Dr. Akath Singh attended IVth International Symposium on "Pomegranate and Minor Mediterranean Fruits" organized by International Society of Horticultural Sciences during September 18-22, 2017 at Elche, Velencia, Spain

Transfers

- Dr. Rajesh Kumar Kakani, Principal Scientist (Genetics & Plant Breeding), joined duty at CAZRI, Jodhpur on July 3 on transfer from IARI, New Delhi
- Dr. Venkateshan K., Scientist (Economic Botany), transferred from CAZRI-RRS, Jaisalmer to CIARI, Port Blair on July 3.
- Dr. Aravind Kumar Jukanti, Senior Scientist (Genetics & Plant Breeding), transferred from CAZRI, Jodhpur to IIRR, Hyderabad on July 5.
- Dr. M.C. Dagla, Scientist (Genetics & Plant Breeding), transferred from CAZRI-RRS, Bikaner to IIMR, Ludhiana on July 5
- Dr. Shamsudheen M., Scientist (Soil Science), transferred from CAZRI-RRS, Bhuj to DCR, Puttar (Karnataka) on July 6
- Dr. Ranjeet Singh Yadav, Senior Scientist (Soil Science), joined duty at CAZRI, Jodhpur on July 11 on transfer from DGR, Junagarh
- Dr. Dileep Kumar Dangi, Scientist (Agril. Extension), joined duty at CAZRI, Jodhpur on July 12 on transfer from ICAR-RC-NEH, Umiam
- Dr. Arun Kumar Misra, Pr. Scientist (Livestock Production and Management), transferred from CAZRI, Jodhpur to NDRI, Karnal on July 19
- Dr. Vikas Khandelwal, Senior Scientist (Plant Breeding), transferred from CAZRI-RRS, Pali to AICRP (Pearl Millet), Mandore, Jodhpur on July 26.
- Mr. G.P. Sharma, CFAO joined duty at CAZRI on August 9 on transfer from ICAR Headquarter
- Ms. Poonam, Scientist (Plant Biochemistry), transferred from CAZRI, Jodhpur to CIPHET, Ludhiana on August 28

- श्री केशू लाल, तकनीकी सहायक (टी–3) का स्थानांतरण 30 अगस्त को काजरी जोधपुर से काजरी भोपालगढ़ फार्म।
- श्री सोहन लाल भाखर, तकनीकी सहायक (टी–3) का स्थानांतरण 30 अगस्त को काजरी भोपालगढ़ फार्म से काजरी जोधपुर।

नियुक्तियाँ

- श्री गिरधारी लाल गैना, सहायक, ने 9 अगस्त को काजरी, जोधपुर में।
- श्री हेमा राम, सहायक, ने 11 अगस्त को काजरी, जोधपुर में।
- सुश्री अनिता, सहायक, ने 28 अगस्त को काजरी, जोधपुर में।

पदोन्नति

- श्री अशोक कुमार गुप्ता, सहायक से सहायक प्रशासनिक अधिकारी, 17 जुलाई से

सेवानिवृत्ति

- जुलाईः श्री आर. सी. बोहरा, ए.सी.टी.ओ.
- अगस्तः श्री रतन लाल सुंकरिया, सहायक प्रशासनिक अधिकारी; श्रीमती हंजू, एस.एस.एस.
- सितम्बरः श्री मंगल चंद, एस.एस.एस.; श्री लादू सिंह पुत्र श्री कान सिंह, एस.एस.एस.

आगामी गतिविधियाँ

- 1 अक्टूबर 2017: संस्थान का स्थापना दिवस
- 6–10 नवम्बर, 2017: 'भारतीय शुष्क क्षेत्रों में अनाज, दलहन एवं बागवानी उत्पादों के लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबन्धन एवं विपणन' पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण
- 14–21 नवम्बर, 2017: 'शुष्क उद्यानिकी में खेती की आय को दोगुना करने के नए विकल्प' पर मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
- 28 नवम्बर – 5 दिसम्बर, 2017: 'कम वर्षा क्षेत्रों के लिये टिकाऊ कृषि में अपशिष्ट प्रबंधन' पर मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

- Shri Keshu Lal, Technical Assistant (T-3), from CAZRI, Jodhpur to Bhopalgarh Farm, CAZRI on August 30
- Shri Sohan Lal Bhakhar, Technical Assistant (T-3) from CAZRI Bhopalgarh Farm, to CAZRI, Jodhpur on August 30

Appointments

- Sh. Girdhari Lal Gaina, Assistant, joined ICAR-CAZRI, Jodhpur on August 9
- Sh. Hema Ram, Assistant, joined ICAR-CAZRI, Jodhpur on August 11
- Ms. Anita, Assistant, joined ICAR-CAZRI, Jodhpur on August 28

Promotion

- Sh. Ashok Kumar Gupta, Assistant to AAO w.e.f. July 17

Retirements

- July: Sh. R.C. Bohra, ACTO
- August: Sh. Ratan Lal Sunkariya, AAO; Smt. Hanju, SSS
- September: Sh. Mangal Chand, SSS; Sh. Ladu Singh S/o Sh. Kan Singh, SSS

Forthcoming Events

- October 1, 2017: Institute Foundation Day
- November 6-10, 2017: National training on 'Supply chain management and marketing of cereals, legumes and horticulture produce in Indian drylands'
- November 14-21, 2017: Model training course on 'Newer options in arid horticulture for doubling farm income
- November 28 - December 5, 2017: Model training course on 'Waste management for sustainable agriculture in low rainfall areas'

प्रकाशक	:	निदेशक, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर	
दूरभाष	:	+91–291–2786584	
फैक्स	:	+91–291–2788706	
ई–मेल	:	director.cazri@icar.gov.in	
वेबसाईट	:	http://www.cazri.res.in	
संकलन एवं सम्पादन	:	निशा पटेल, नवरतन पंवार एवं श्री बल्लभ शर्मा	
डिजाइन	:	राजवंत कौर कालिया, निशा पटेल एवं श्री बल्लभ शर्मा	
Published by	:	Director, Central Arid Zone Research Institute, Jodhpur	
Phone	:	+91-291-2786584	
Fax	:	+91-291-2788706	
E-mail	:	director.cazri@icar.gov.in	
Website	:	http://www.cazri.res.in	
Compiled & edited by	:	Nisha Patel, Navraten Panwar and S.B. Sharma	
Designed by	:	Rajwant K. Kalia, Nisha Patel and S.B. Sharma	

भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
(आई.एस.ओ. 9001 : 2015)
ICAR-Central Arid Zone Research Institute, Jodhpur
(ISO 9001 : 2015)

CAZRI™
Enhancing resilience of arid lands

Evergreen 9414128647